Price ₹ 5/-

हृदय और धड़कन

वर्ष-10, अंक-116, अगस्त 20, 2019

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. विनीत सांख्ला	+91-99250 15056	डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848	डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130	डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266	डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664		

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980		

कार्डियाक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. अमित चंदन	+91-96990 84097

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700

कार्डियाक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांख्ला	+91-99250 15056

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400

JCI NABH NABH ER ACC International Centre Of Excellence

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

रुकी हुई नलियों का परिणाम, हार्ट अटैक (दिल का दौरा)

हमने देखा कि धमनियां किस तरह सख्त हो जाती हैं, और उनमें रुकावट आ जाती है। इस रुकावट के कारण एन्जायना पेक्टोरिस और उसके बाद दिल का दौरा पड़ता है। (इसे एक्यूट मायोकोर्डियल इन्फार्कशन कहते हैं।)

हृदय की जो धमनी बंद हो गई हो उसके प्रमाण में हृदय के स्नायुओं को नुकसान पहुंचता है

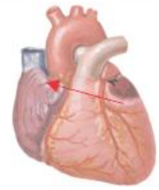

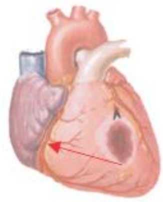

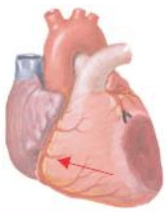

हार्ट अटेक से हृदय में अलग अलग जगह पर नुकसान होता है, जो तार के निशान के द्वारा दर्शाया गया है।

जब हृदय को रक्त कम मात्रा में पहुंचता है, तब असल में क्या होता है? अगर हृदय को थोड़ा सा भी रक्त मिलता है तो रोगी की छाती में तीव्र दर्द और धबराहट होती है, इस स्थिति को 'अस्थिर एन्जायना' कहते हैं। यदि रक्त मिलना एकदम बंद हो जाए तो हृदय के जिस भाग को उस रुकावट वाली धमनी से रक्त मिलता है वह भाग अकाल मृत्यु को प्राप्त होता है, मतलब की शरीर के उस भाग में से संवेदनशीलता खत्म हो जाती है और वह भाग अपनी कार्यक्षमता खो देता है। इसे दिल का दौरा (हार्ट अटेक) कहते हैं।

सबसे आश्चर्यचकित कर देने वाली बात यह है कि यह बहादुर अवयव फिर भी रक्त को पंप करना चालू रखता है, भले ही कम क्षमता के साथ। इस हृदयरोग के हमले के एकदम बाद का समय बहुत नाजुक होता है। अगर हमले के बाद के ६ से १२ घंटे के अंदर ही उचित इलाज कर दिया जाए तो हृदय के जिस भाग में रक्त नहीं मिलने से जो नुकसान हुआ है वो भाग फिर से कार्यक्षम हो जाता है। इसलिए हृदयरोग के हमले के बाद तत्काल इलाज करना चाहिए। हृदयरोग के तीव्र हमले के समय तात्कालिक इलाज रोगी को नया जीवनदान देता है।

हृदयरोग के हमले की चेतावनी के चिन्ह

हृदयरोग के कई हमले अचानक और तीव्रता से आते हैं, पर अधिकतर हृदयरोग के हमले धीरे से चालू होते हैं और उसमें हल्का दर्द और और हल्की घबराहट होती है। यह हैं सामान्य लक्षण और चिन्हों में से कुछ ये हैं :

छाती में घबराहट : छाती के बीच के हिस्से में घबराहट जो कुछ मिनटों से ज्यादा चलती है या बंद हो जाती है। उससे अरूचि, भारीपन, दबाव, छाती में भराव और दर्द जैसा महसूस होता है।

शरीर के अन्य भागों में बेचैनी : इसमे एक अथवा दौनो बाजू, पीठ, गला, जबड़े या पेट में दर्द और बैचेनी का समावेश होता है।

सांस लेने में तकलीफ : यह तकलीफ कई बार छाती में घवराहट के साथ होती है, पर कई बार यह घबराहट के पहले भी हो सकती है।

अन्य लक्षण : अन्य लक्षणों में ठंडा पसीना आना, उबकाई आना, दिमाग खाली - खाली सा लगना, उल्टी होना इत्यादि।

उम्र : पुरुष	उम्र ४५ वर्ष कि उससे ज्यादा
उम्र : स्त्री	उम्र ५५ वर्ष कि उससे ज्यादा या प्रिमेच्योर मेनोपोज़
हृदयरोग का कौटुम्बिक इतिहास	छोटी उम्र में हृदय की धमनियों का रोग
तम्बाकू का सेवन या (धूम्रपान)	जितना ज्यादा धूम्रपान या गुटके का सेवन उतना ज्यादा खतरा
उच्च रक्तचाप	बिना इलाज उच्च रक्तचाप, जितना ज्यादा समय उतना अधिक खतरा
रक्त में अधिक चर्बी (एच.डी.एल. कोलेस्ट्रोल)	१३० मि.ग्रा. / डी.एल से एल.डी.एल. अधिक ३५ मि.ग्रा. / डी.एल. से एच.डी.एल. कम
डाइबिटीज मेलाइटिस	बिना इलाज डाइबिटीज मेलाईटिस, जितना ज्यादा समय उतना अधिक खतरा
छोटी उम्र में हृदय की धमन्यों की व्याख्या निकटतम पुरुष रिश्तेदार (दादा, पिता, या भाई जो ५५ वर्ष से कम की आयु में हृदयरोग के कारण मृत्यु का शिकार हुए हों, या निकटतम महिला रिश्तेदार (दादी, माता, या बहन) जिनकी मृत्यु ६५ साल से कम उम्र में हृदयरोग के हमले के कारण मृत्यु हुई हो।	

हृदयरोग किन लोगों को सकता है।

अगर आपको या आपके साथ के किसी भी व्यक्ति की छाती में घबराहट हो रही हो, खास तौर से एक या अधिक लक्षणों के साथ, तो ज्यादा देर किए बिना (पांच मिनट से तो अधिक बिल्कुल नहीं, तुरंत किसी को मदद के लिए बुलाएं और तुरंत अस्पताल पहुंच जाएं।

जो आपको स्वयं को दर्द हो और एम्बुलेन्स बुलाने की हालत न हो, तो कोई आपको अस्पताल ले जाए इसका इंतजाम करें। मेहरबानी करके स्वयं कार चलाकर न जाएं, सिवाय इसके कि कोई और रास्ता न हो।

'देखिए मि. पटेल,' डॉक्टर ने कहा, 'सर्वोत्तम सलाह यह है कि आप सिगरेट पीना, तम्बाकू खाना, शराब पीना और ज्यादा चरबी वाला भोजन छोड़ दें।'

"मुझे सर्वोत्तम सलाह नहीं चाहिए, पर दूसरे नम्बर की उत्तम सलाह दीजिए।'

जल्दी से इलाज किस प्रकार शुरू करना?

हृदयरोग के हमले को पहचानना सीख लें और शीघ्रताशीघ्र किसी सुसज्ज (well equiped) अस्पताल में जाएं। यह तात्कालिक इलाज का सर्वश्रेष्ठ रास्ता है। ऐसा करने के लिए घर के तमाम सदस्यों को हृदयरोग के लक्षणों की जानकारी होनी चाहिए। रोगी स्वयं, उसके पति / पत्नी, सगे सम्बंधी, मित्र, फेमिली डॉक्टर, अस्पताल तथा हृदयरोग विशेषज्ञ को मिलाकर एक टीम

JCI NABH NABH ER ACC International Centres Of Excellence

CIMS® CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES Earning Trust with World-Class Practices

बनानी चाहिए, जिससे रोगी को सर्वश्रेष्ठ इलाज मिले। कई बार हम लोग हृदयरोग के हमले वाले रोगी की अच्छा से अच्छा इलाज कर सके हैं तो सिर्फ इसी कारण कि उस रोगी को सही समय पर हमारे पास लाया गया।

इसका कारण यह था कि रोगी और उसके संगी साथियों को हृदयरोग के हमले के लक्षण, चिन्ह और हृदय रोग के हमले के समय क्या करना चाहिए इससे वह परिचित थे, इसके अलावा, अस्पताल भी हर परिस्थिति से निबटने के लिए तैयार थे।

इसका कारण यह था कि रोगी और उसके संगी साथियों को हृदयरोग के हमले के लक्षण, चिन्ह और हृदय रोग के हमले के समय क्या करना चाहिए इससे वह परिचित थे, इसके अलावा, अस्पताल भी हर परिस्थिति से निबटने के लिए तैयार थे।

पहला एक घंटा

इस संदर्भ में हुए संशोधनों से पता चला है कि हृदयरोग के हमले से होने वाले अधिकतर मृत्यु छाती में दर्द होने के एक घंटे के अंदर हो जाते हैं। लेकिन अगर हृदय के वह स्नायु जहां रक्त नहीं पहुंच रहा है हृदय के उन स्नायुओं को अगर देरी किए बिना रक्त दिया जाए तो वे बिना किसी नुकसान के एकदम स्वस्थ हो जाते हैं। इसलिए हृदयरोग के हमले का इलाज जितनी जल्दी मिले उतना अच्छा।

आपको या किसी और को हृदयरोग का हमला आया है ऐसा शक हो तो डॉक्टर को घर बुलाने से कीमती समय व्यर्थ होता है और इस कारण रोगी की मृत्यु भी हो सकती है। इसलिए हृदयरोग के हमले के बाद सर्वश्रेष्ठ इलाज के लिए संपूर्ण उपकरणों से सुसज्जित अस्पताल में जल्दी से जल्दी पहुंच जाना चाहिए।

हृदयरोग का शांत हमला

डायबिटीज़ के रोगी को हृदयरोग के हमले के समय दर्द न हो ऐसा संभव है। उनको किसी प्रकार के लक्षण का अनुभव न हो या थोड़ी सांस चढ़े या पसीना आए, अथवा खूब कमजोरी का अहसास हो। इस प्रकार से मालूम न पड़े और इलाज नहीं हो यह संभव है, क्योंकि कई लोग ऐसे सामान्य लक्षणों पर ध्यान में नहीं लेते हैं।

हृदयरोग के हमले के समय क्या करना?

जो भी काम कर रहें हों, वह बंद करके आराम करें। घुलनशील एस्पिरिन की एक गोली लें, जिससे रक्त पतला होकर जमता नहीं है। एस्पिरिन की एक गोली लेना हृदयरोग के हमले के समय घर में किया जा सकने वाला सबसे अच्छा इलाज है। नाइट्रोग्लिसरीन की एक गोली जीभ के नीचे रख मदद मांगे और एम्बुलेन्स बुलाएं।

आपके डॉक्टर को घर में बुलाने से कीमती समय खराब होता है। फोन पर अपने डॉक्टर को अपनी हालत बताते हुए शीघ्रता से अस्पताल पहुंच जाएं।

पिघलने वाली (soluble) एस्पिरिन

लेना सबसे महत्त्वपूर्ण है, यह जान बचा सकती है। और जब कभी भी हृदयरोग के हमले का शक हो तब आप एस्पिरिन ले सकते हैं।

अस्पताल के अंदर

हृदयरोग हमले के रोगी को इन्टेन्सिव कोरोनरी केयर युनिट (आई.सी.सी.यू.) में ले जाया जाता है। बीमारी का इतिहास डॉक्टर के द्वारा की गई जांच रक्त की जांच और ई.सी.जी. से इलाज निश्चित बनता है।

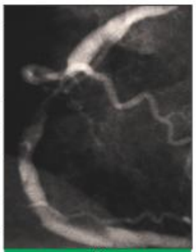
९० प्रतिशत बंद धमनी

एन्जियोप्लास्टी के बाद पूरी खुली हुइ धमनी

दिल के दौरे का निश्चित निदान होने पर रोगी का लगातार ई.सी.जी. देखा जाता है।उसके बाद का इलाज हृदयरोग विशेषज्ञ बहुत सोच समझ कर तय करते हैं।

कई केस में ऑक्सीजन दिया जाता है। रक्त को पतला करने के लिए एस्पिरिन जैसी दवाएं दी जाती हैं। इन्जेक्शन से नसों के द्वारा नाईट्रोग्लिसरीन दिया जा सकता है। इससे हृदय में रक्त संचार बढ़ जाता है, स्ट्रेप्टोकाइनेज, यूरोकाइनेज, या टी.पी.ए. जैसी जमे हुए रक्त को पिघलाने वाली दवाएं दी जाती हैं।

बारबार ई.सी.जी. करवाने से हृदयरोग के हमले के समय होने वाली प्रगति के विषय में डॉक्टर को पता लगता रहता है। इसके साथ ट्रोपोनिन या सी.पी.के. एन्जाईम जैसी रक्त की जांच की जाती है, क्योंकि इससे भी हृदयरोग के हमले की प्रगति के विषय में पता चलता रहता है।

एन्जियोप्लास्टी

जिस रोगी को समय पर भर्ती किया गया हो हृदयरोग के हमले के इलाज में

सामान्यतया प्राथमिक एन्जियोप्लास्टी की जाती है।

इस 'विधि' में जांघ की धमनी में छेद कर उसमे छोटे गुब्बारे वाले केथेटर को प्रसार किया जाता है। इस केथेटर को वंहा से हृदय की धमनियों के अंदर प्रसार किया जाता है। प्राथमिक एन्जियोप्लास्टी में जो कोरोनरी धमनी या धमनियों में रुकावट आयी हो उसे तुरंत ही खोल दिया जाता है।

एक दिन डॉक्टर एक रोगी की लेबोरेट्री रिपोर्ट देख कर चौंका। रोगी का कोलेस्ट्रोल बहुत ज्यादा था, ब्लडप्रेशर पर बहुत ज्यादा था, डायबिटीज भी काबू के बाहर था। डॉक्टरने तुरंत रोगी की पत्नी को फोन किया, 'आपके पति की सब रिपोर्ट आ गई है, और यह बहुत खराब है। उनसे मिलने के पहले मैं आपसे कहना चाहता हूं कि अगर आप मेरी सलाह नहीं मानेंगी तो आपके पति की अगले छ महिने में मृत्यु हो जाएगी।'

'मै उनके लिए क्या कर सकती हूं डॉक्टर?' रोगी की पत्नी ने पूछा।

'इनकी जिंदगी में से तनाव के समस्त कारण दूर कर दीजिए।' डॉक्टर ने कहा, 'घर एकदम साफ रखें। उनके लिए दिन में तीन बार स्वादिष्ट व पौष्टिक खाना बनाएं और उन्हे खूब प्रेम दें।'

उस महिला ने फोन रख कर अपने पति से कहा 'डॉक्टर साहब का फोन था' 'उन्होने क्या कहा?" कहते थे कि आप छ महिने भी नहीं खेंच पाएंगे !'

इस इलाज का फायदा यह है कि रक्त की सप्लाई से वंचित रहने के कारण हृदय के स्नायुओं में होते हुए नुकसान को रोका जा सकता है, तथा ऐसी प्राथमिक एन्जियोप्लास्टी के समय एन्जियोग्राम से ये जाना जा सकता है कि बंद धमनियां खुली हैं कि नहीं।

हृदयरोग के हमले के तुरंत बाद में एन्जियोप्लास्टी करने को समस्त विश्व में हार्ट अटेक का श्रेष्ठ इलाज के रूप में स्वीकार किया गया है।

प्राथमिक एन्जियोप्लास्टी संबन्धित निर्णय

हृदयरोग के हमले में प्राथमिक एन्जियोप्लास्टी श्रेष्ठ इलाज तो है, परन्तु रोगी, उसके पति / पत्नी और करीबी रिश्तेदारों को आपात्कालीन परिस्थितिओं में प्राथमिक एन्जियोप्लास्टी करवानी है कि नहीं यह अति महत्त्वपूर्ण निर्णय लेना होता है।

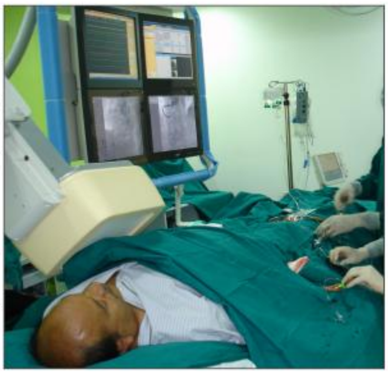

प्राथमिक एन्जियोप्लास्टी जैसी बड़ी हस्तक्षेप प्रक्रिया (Interventional Procedure) करने के लिए आपात्काल में हां कहना है कि नहीं यह निश्चित करने में एक बात मददरूप हो सकती है। हृदयरोग के हमले के अधिकतर किस्सो में कभी न कभी जांच के लिए एन्जियोग्राफी करनी पड़ती है। इसलिए यह समझ लेना चाहिए कि कभी न कभी एन्जियोग्राफी करवाएं उसकी एवज में तात्कालिक एन्जियोग्राफी और आवश्यकता हो तो एन्जियोप्लास्टी क्यों न करवा लें? तात्कालिक एन्जियोग्राफी के साथ एन्जियोप्लास्टी करवाने से हृदय को कम से कम नुकसान व अधिक से अधिक फायदा होगा।

निष्कर्ष

तात्कालिक प्राथमिक एन्जियोप्लास्टी करवा लेना चाहिए।

प्राथमिक एन्जियोप्लास्टी ऐसे होस्पिटल में होनी चाहिए,जहाँ सामान्य रुप से प्राथमिक एन्जियोप्लास्टी होती हो। उसी प्रकार अनेक प्राथमिक एन्जियोप्लास्टी करने का अनुभव रखने वाले कुशल हृदयरोग विशेषज्ञ द्वारा ही प्राथमिक एन्जियोप्लास्टी करानी चाहिए।

थ्रोम्बोलाइसिस (जमे हुए रक्त को पिघलाने की क्रिया)

जो लोग किन्हीं कारणों के फलस्वरुप प्राथमिक एन्जियोप्लास्टी नहीं करा सकते उन लोगों को क्या? ऐसी परिस्थिति में जमी हुई रक्त की गांठ को पिघलाने के लिए स्ट्रेप्टोकाइनेज़ और यूरोकाइनेज़ जैसी एन्जाइम जमे हुए रक्त वाली नसों को खोलने के लिए दिए जाते हैं। ये एन्जाइम जमे हुए रक्त को पिघला सकते हैं, परंतु बदकिस्मती से ये दवाएं सिर्फ ६० प्रतिशत किस्सों में ही असरकारक होती हैं।

एक बार उचित इलाज शुरु हो जाय, तो ही रोगी की जान की रक्षा होती है।

'डॉक्टर साहब, एन्जियोप्लास्टी की फीस कितनी होगी?

'१०,००० रुपये।'

'क्या? आधे घन्टे के काम के इतने पैसे?'

'अगर आप कहे तो धीरे धीरे दो घंटे में कर दूं।'

हृदय रोग के हमले के बाद दूसरी बीमारियाँ लगने की सम्भावनाएँ हो जाती हैं। सामान्य रुप से हृदय का कमजोर पड़ जाना, फिर से हृदय रोग का हमला होना, अथवा हृदय की धड़कन का अनियमित होना इत्यादि तकलीफों का इलाज तात्कालिक हो सकता है।

स्वास्थ्य सुधरने के बाद रोगी को आई.सी.सी.यु. के बाहर लाया जा सकता है, और उसकी हालत को ध्यान में रखकर थोड़े दिनों में छुट्टी दी जा सकती है। पर बाद में भी रोगी को एन्जियोग्राफी की जरुरत पड़ सकती है।

दिल के दौरे के बाद

हृदय रोग विशेषज्ञ को यदि रोगी की स्थिति स्थिर लगे तो ही उस रोगी को उसके घर वापस भेजा जाता है।

घर पहुंचने के बाद २ - ३ दिन तक आराम और विश्राम करना जरुरी है हृदय रोग की तीव्रता को ध्यान में रखकर रोगी अपना नित्यक्रम कर सकता है और साथ ही कसरत भी कर सकता है। रोगी को ७ से १० दिन में चलने और थोड़ा काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

JCI NABH NABH ER ACC

CIMS CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES Earning Trust with World-Class Practices

होस्पिटल से छुट्टी मिलने के बाद

> असल में जिंदगी ४० वें साल से शुरु होती है। पर दुर्भाग्यवश इसी उम्र में गठिया, हृदयरोग और प्रोस्टेट जैसी बीमारियां शुरु हो जाती हैं

नहाना और तैयार होना जैसे अपने सारे कार्य खुद कर सकते हैं। फिर भी कभी जरुरत पड़ सकती है,यह बात ध्यान में रखकर किसी को पास में रखना चाहिए। पलंग पर लेटे-लेटे मल करने के लिए बेडपेन का उपयोग नहीं करना चाहिए क्योंकि इसमें मल निकालने के लिए जोर लगाना पड़ता है,और उससे रक्त का दवाब बढ़ सकता है। पलंग के पास ही कमोड (seat) का उपयोग ही इसका श्रेष्ठ उपाय है। हॉस्पिटल से छुट्टी मिलने के बाद से ही इसका उपयोग उचित होता है। उकड़ू बैठना पड़े ऐसी स्थिति वाले latrine का उपयोग कम ही करना चाहिए।

> बहुत से डॉक्टर एक ही भूल २० से २५ साल करते हैं और उसे अपना अनुभव कहते हैं।

एक हफ्ते बाद

डॉक्टर की राय लेने के बाद ही थोड़ा - थोड़ा चला जा सकता है और समय धीरे - धीरे बढ़ाया जा सकता है (जैसे चलने की दूरी को रोज़ ५० से १०० मीटर तक बढ़ाया जा सकता है) सीढ़ी चढ़ना शुरु करना चाहिए। शुरु में २-३ सीढ़ी चढ़ें। भारी वजन नहीं उठायें। हॉस्पिटल से छुट्टी मिलने के लगभग चार हफ्ते में धीरे-धीरे सारा काम किया जा सकता है, पर यह सब हृदय रोग की तीव्रता पर आधारित है। जिनकी एन्जियोप्लास्टी अथवा बायपास शल्यक्रिया की गई हो, ऐसे रोगी तो एक हफ्ते बाद एक कि.मी. से ज्यादा चल सकते हैं ।

सौजन्य 'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख

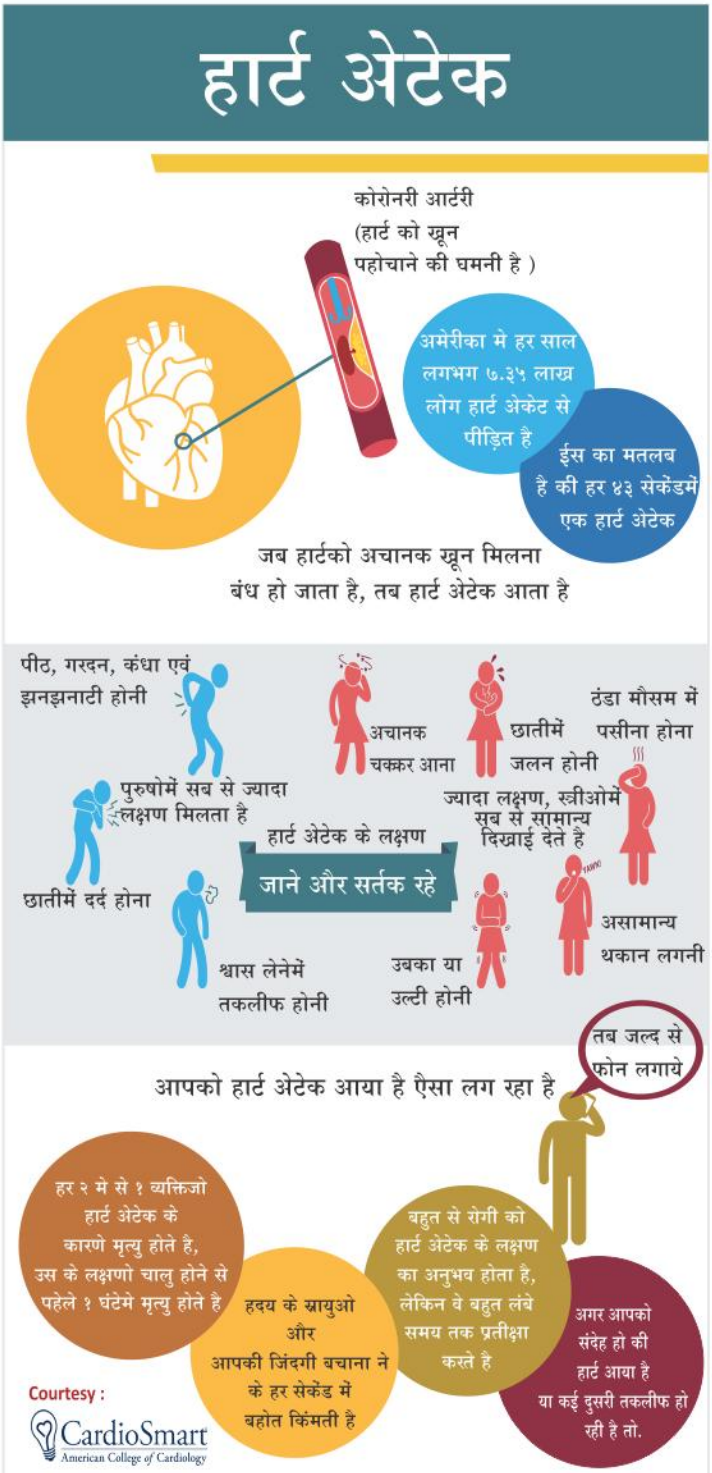

24 x 7 जब हो ईमरजन्सी, तब सीम्स
ईमरजन्सी : +91 97234 50000 एम्ब्युलन्स : +91-98244 50000

मेडीकल हेल्पलाईन : +91 - 70 69 00 00 00

सीम्स अस्पताल की मेडिकल टीम में शामिल हुए नये डॉक्टर

सीम्स न्यूरो सर्जरी

डॉ. प्रशांत पटेल
MBBS, MS, DNB (Neuro Surgery), M.Ch (Neuro Surgery)
न्यूरो सर्जन एवं स्पाईन सर्जन
मो. +91 98254 55595
prashant.patel@cimshospital.org

अपोईन्टमेन्ट के लिए संपर्क करे : **+91 98250 66661, +91-79-2772 1008**

भारत मे अग्रेसर हृदयरोग सारवार टीम

गुजरातमें सब से ज्यादा

अस्पतालमें 100 % सफलता

9

TAVI
(ट्रान्सकेथेटर अेओर्टीक वाल्व ईम्प्लान्टेशन)
सर्जरी के बिना रोगग्रस्त वाल्व को बदलने की प्रक्रिया

Balloon Inflatable (Hybrid) Myvalv

Self Expanding (Supra-Annular) Evolut Valve

9

HEART TRANSPLANT
हृदय प्रत्यारोपण
के लिए गुजरात का
सब से पहला और एक मात्र केन्द्र

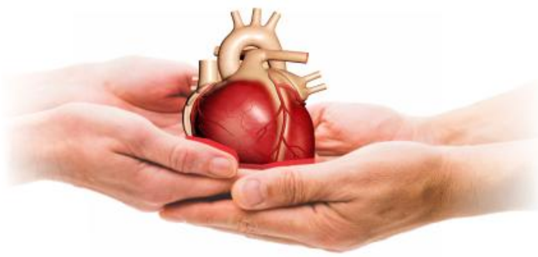

CIMS Foundation

CSR HEALTH IMPACT AWARDS

सीम्स फाउन्डेशन को आरोग्य क्षेत्रमें विविध तबीबी सेवाओं के लिए इंडिया हेल्थ और वेलनेस काउंसिल (IHW) द्वारा, नई दिल्ली CSR प्रोजेक्ट इम्पेक्ट अर्वाड अंतर्गत CSR प्रोजेक्ट केटेगरी में चेम्पियन ट्रॉफी अनायत की गई है ।

JCI NABH NABH ER ACC

CIMS
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

सीम्स अस्पताल, अहमदाबाद

अब नाचो, खेलो, दौडो, कूदो
परेशानी से मुक्त रहो
जहाँ सीम्स ओर्थोपेडीक्स देता है, संपूर्ण ईलाज

- जोईन्ट रिप्लेशमेन्ट (घूंटने, कूल्हे, कंधे, कोहनी)
- जटिल फेक्रचर
- आर्थ्रोस्कोपी और स्पोट्स मेडिसीन (लिगामेन्ट और रमत के दौरान लगती चोंट)
- अकस्मात और ट्रोमा ईलाज

CIMS® CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

सीम्स अस्पताल,
ऑफ सायन्स सीटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060,
फोन. : +91-79-2771 2771-75
ईमेल :info@cims.org वेब : www.cims.org

अपोईन्टमेन्ट के लिए :+91-79-2772 1008 / +91-98250 66661
सुबह 9:00 से शाम 7:00 तक (सोम से शनि)
ईमेल : opd.rec@cimshospital.org

Joint Commission International
ईन्टरनेशनल गोल्ड सील ऑफ क्वोलीटी
NABH

एम्बुलन्स : +91-98 24 45 00 00 | ईमरजन्सी : +91-97 23 45 00 00 | 24 X 7 मेडीकल हेल्पलाईन +91-70 69 00 00 00

सीम्स अस्पताल में वर्ल्ड ओर्गन दिन एवं अंगदान जागृति के लिए बाईक रेली का आयोजन किया था ।

वर्ल्ड ओर्गन दिन - परिसंवाद

अंगदान जागृति के लिए बाईक रेली

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26th to 30th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2019-2021 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2021
Licence to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/088/2019-21 valid upto 31st December, 2021

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2772 2771-75

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-2772 1059/1060

CIMS CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices
CIMS HOSPITAL

सीम्स अस्पताल, अहमदाबाद

एसिडिटी । अपचा । कब्ज । लिवर प्रोब्लम

सीम्स गेस्ट्रोसाईन्सीस

अनुभवी विशेषज्ञ द्वारा देखभाल

24 X 7 हेल्पलाईन +91 70 69 00 00 00

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।

JCI NABH NABH ER ACC

CIMS CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices